BA (Hon's) Fifth Semester
Examination, 2014
ECONOMICS
Paper: Second
(Research Methodology)
MODEL ANSWER

Section 'A'

(i) अध्ययन क्षेत्र की समस्त इकाइयॉ सामूहिक रूप से समग्र कहलाती है। काल्पनिक समग्र में विषय सामग्री ठोस नहीं होती, बल्कि काल्पनिक होती है। जैसे सिक्कों की उछाल के आधार पर चित-पट के गिरने की संख्या से बना समग्र।

(ii) किसी समग्र में से चयनित उसका प्रतिनिधित्व करने वाली इकाइयों का एक समूह न्यादर्श कहलाता है और किसी विशिष्ट आधार पर समग्र से न्यादर्श चयन करने की विधि या प्रक्रिया को निदर्शन कहते हैं।

(iii) (a) शोधकर्त्ता को अपना परिचय देना चाहिए और अनुसंधान का उद्देश्य स्पष्ट कर देना चाहिऍ।

(b) प्रश्न सरल स्पष्ट एवं सूक्ष्म होने चाहिए।अनिश्चितता उत्पन्न करने वाले शब्दों जैसे -शायद, प्रायः कभी कभी का प्रयोग कदापि नहीं करना चाहिए। आदि।

(iv) (a) शोध प्रतिवेदन में शोध से सम्बन्धित सभी तथ्यों का समावेश होना चाहिए, परंतु इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि यह अनावश्यक रूप से लंबी न हो जिससे पठनकर्त्ता की रूचि ही समाप्त हो जाये।

(b) शोध की स्पष्टता के लिये जहॉ संभव हो वहॉ रेखाचित्रों, तथा सांख्यिकीय तालिका एवं विश्लेषण का प्रयोग करना चाहिए।आदि।

(v) शून्य परिकल्पना से तात्पर्य यह है कि हम कल्पना करते है कि प्राचल एवं प्रतिदर्शज में अन्तर शून्य है और जो भी है वह निदर्शन के अतिरिक्त अन्य

विभ्रमों से प्रभावित नहीं है और यह केवल दैवी या आकस्मिक है। शून्य परिकल्पना के लिये संकेताक्षर H_0 प्रयोग होता है।

(vi) प्राथमिक समंक वे समंक है जिन्हें अनुसंधान करने वाला अपने प्रयोग में लाने के लिये पहली बार एकत्र करता है अर्थात् ये मौलिक होते हैं।

(vii) (a) अज्ञात को जानने की जिज्ञासा
(b) व्यावहारिक समस्याओं का समाधान
(c) शोध उपाधि की आकांक्षा
(d) समाज में प्रतिष्ठा

(viii) (a) खोजात्मक अनुसंधान
(b) विवरणात्मक अनुसंधान

(ix) शोध प्रारंभ करने के पूर्व शोध की समस्त रूपरेखा तैयार करना, जैसे कि पूर्व में ही यह निर्धारित कर लेना कि ऑकड़ें कहॉ से एकत्रित किये जाएंगे, ऑकडों के विश्लेषण हेतु कौन सी सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग किया जायेगा, परिकल्पना की जॉच हेतु कौन सी विधियॉ प्रयोग में लायी जायेंगी, शोध प्रकल्प कहलाता है जिस प्रकार घर तैयार करने के पूर्व नक्शा बनाया जाता है वैसे हीं शोध के पूर्व शोध प्रकल्प तैयार किया जाता है।

(x) जब शोधकर्त्ता शोध किये जाने वाले समूह का अंग बनकर छिपकर शोध सम्बन्धी अवलोकन करता है तो इसे छिपा हुआ अवलोकन कहा जाता है।

Section 'B'
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

2. भूमिका
प्रश्नावली की विशेषताऍ
प्रश्नावली का निर्माण करने में रखी जाने वाली सावधानियां
प्रश्नावली विधि से आंकड़े एकत्रित करने के गुण
प्रश्नावली विधि से आंकड़े एकत्रित करने की सीमाएं

उपसंहार

3. भूमिका
शोध प्रकल्प का अर्थ
एक अच्छे शोध प्रकल्प की विशेषताएं
एक ही प्रकार के शोध प्रकल्प की समस्त शोध अध्ययनों में उपयुक्तता, क्यों नहीं है इसकी विस्तृत व्याख्या।
उपसंहार

4. भूमिका
साक्षात्कार विधि की व्याख्या
निरीक्षण विधि की व्याख्या
साक्षात्कार विधि की आंकड़े एकत्रित करने की तकनीक के रूप में उपयोगिता
निरीक्षण विधि की आंकड़े एकत्रित करने की तकनीक के रूप में उपयोगिता
सीमायें
उपसंहार

5. भूमिका
अनुसंधान प्रक्रिया का अर्थ
अनुसंधान प्रक्रिया में शामिल विभिन्न चरणों का संक्षेप में वर्णन
उपसंहार

6. भूमिका
परिकल्पना का अर्थ
परिकल्पना का महत्व
प्रथम एवं द्वितीय कोटि की त्रुटि में अंतर
निष्कर्ष

7. भूमिका
प्रतिवेदन लेखन का अर्थ

प्रतिवेदन लेखन के महत्व की व्याख्या
सावधानियां
उपसंहार

8. भूमिका
शोध के सैद्वांतिक उपयोगिता
शोध के व्यव्हारिक उपयोगिता
सावधानियां
उपसंहार